दुकान में फंसी गौरइया

जॉय



जॉर्ज और हैरी वीडियो की दुकान पर अपने स्केटबोर्ड पर गए. वीडियो की दुकान बंद थी. दरवाज़े पर एक नोटिस लगा था. खिड़की से देखने पर उन्हें अंदर एक गौरइया फंसी हुई दिखी. दुकान का मालिक दो सप्ताह के लिए शहर से बाहर गया था और उस तक पहुंचना मुश्किल था. अगर लड़कों ने जल्दी कार्रवाई नहीं की तो वो गरीब गौरइया मर जाएगी.

लड़कों ने शहर के कुछ वयस्कों से मदद लेने की कोशिश की, लेकिन किसी ने भी पक्षी को बचाने में कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई. एक वयस्क ने कहा, "वो केवल एक गौरइया है. अगर मर भी गई तो क्या होगा? और तमाम गौरइए हैं!"

पर जॉर्ज और हैरी ने हार नहीं मानी. वे अपनी दलील सीधे मेयर के पास लेकर गए. इस तरह उन दोनों लड़कों ने आखिरकार एक छोटी, निरीह गौरइया को बचाया.

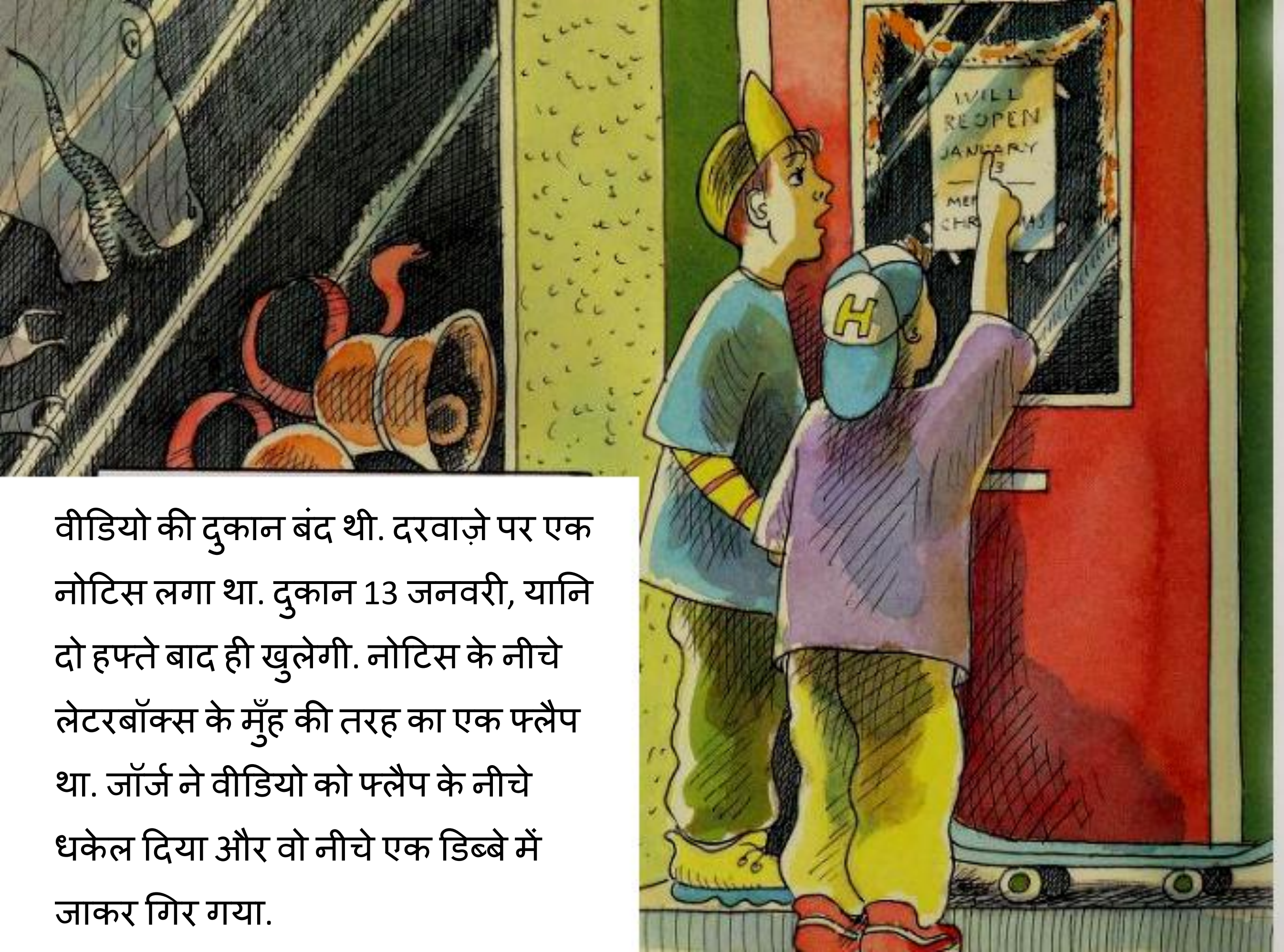
दुकान में फंसी गौरइया

जॉय



नए साल के दिन, जॉर्ज और
हैरी ने किराए पर जो वीडियो
लिया था वे उसे वापस करने के
लिए दुकान पर गए.





वीडियो की दुकान बंद थी. दरवाज़े पर एक नोटिस लगा था. दुकान 13 जनवरी, यानि दो हफ्ते बाद ही खुलेगी. नोटिस के नीचे लेटरबॉक्स के मुँह की तरह का एक फ्लैप था. जॉर्ज ने वीडियो को फ्लैप के नीचे धकेल दिया और वो नीचे एक डिब्बे में जाकर गिर गया.



हैरी ने अपनी नाक को कांच की खिड़की के साथ जोर से दबाया. उसने कहा, "अरे जॉर्ज, देखो! एक गौरइया! वो दुकान के अंदर चारों ओर उड़ रही है."

गली में सामने का रेस्तरां खुला था.

"क्या मैं तुम्हारी कुछ मदद कर सकती हूँ?" टेबल पोंछ रही महिला ने दोनों लड़कों से पूछा.

"वीडियो की दुकान में एक गौरइया है," जॉर्ज ने कहा. "और दुकान बंद है."

"दुकान लगभग दो सप्ताह तक नहीं खुलेगी," हैरी ने कहा.

जॉर्ज ने कहा, "दुकान का मालिक आकर दरवाजा खोल सकता है और गौरइया को रिहा कर सकता है. क्या आप जानती हैं कि वो कहाँ रहता है?"

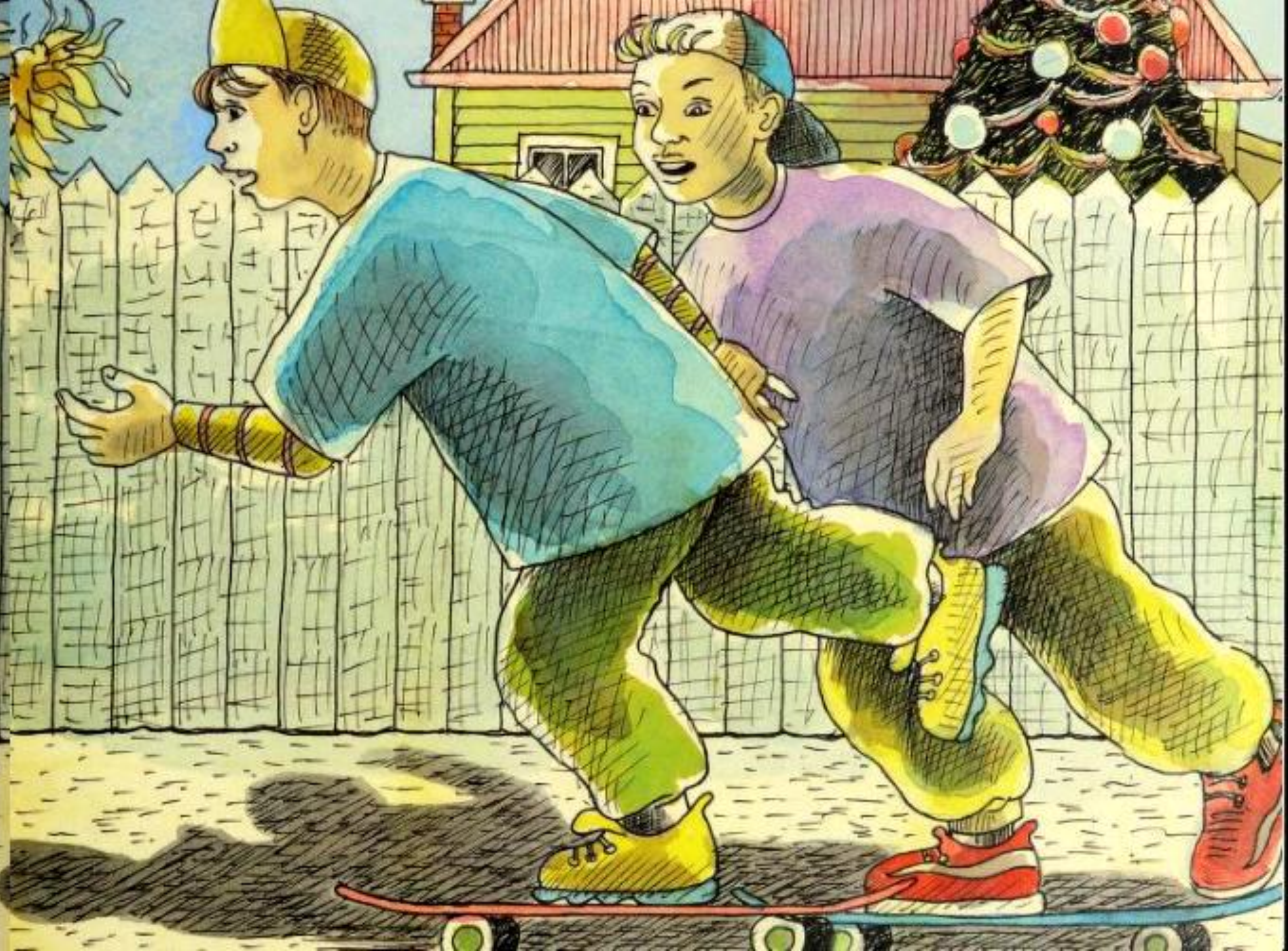
महिला ने "न" में अपना सिर हिलाया.

"वह छुट्टी पर गया है. लेकिन बच्चों तुम चिंता मत करो. यह सिर्फ एक गौरइया है. और फिर यहाँ तमाम और गौरइए हैं."





जॉर्ज और हैरी घर लौट आए. उन्होंने अपनी माँ और पिता को वीडियो शॉप में फंसी गौरइया के बारे में बताया.





उनके पिता वीडियो दुकान के मालिक को जानते थे. उन्होंने उसे फोन करने की कोशिश की लेकिन सिर्फ "आंसरिंग-मशीन" ने जवाब दिया.

"लगता है मालिक बाहर गया है," पिता ने कहा.

"हम गौरइया को किसी तरह बचाना ही होगा," जॉर्ज ने कहा.

पिता ने अपना सिर हिलाया.

"उस गौरइया को भूल जाओ," उन्होंने कहा.

"गौरइया वास्तव में कोई जल्दी लुप्त होने वाली 'सुरक्षित' प्रजाति नहीं है."



उस दोपहर, लड़के वीडियो की दुकान पर वापस गए.

गौरइया अब खिड़की में थी.

वो कांच पर ऊपर-नीचे उड़ रही थी और बाहर निकलने की कोशिश कर रही थी.

जब गौरइया ने जॉर्ज और हैरी को देखा तो उसने उड़ना बंद कर दिया.

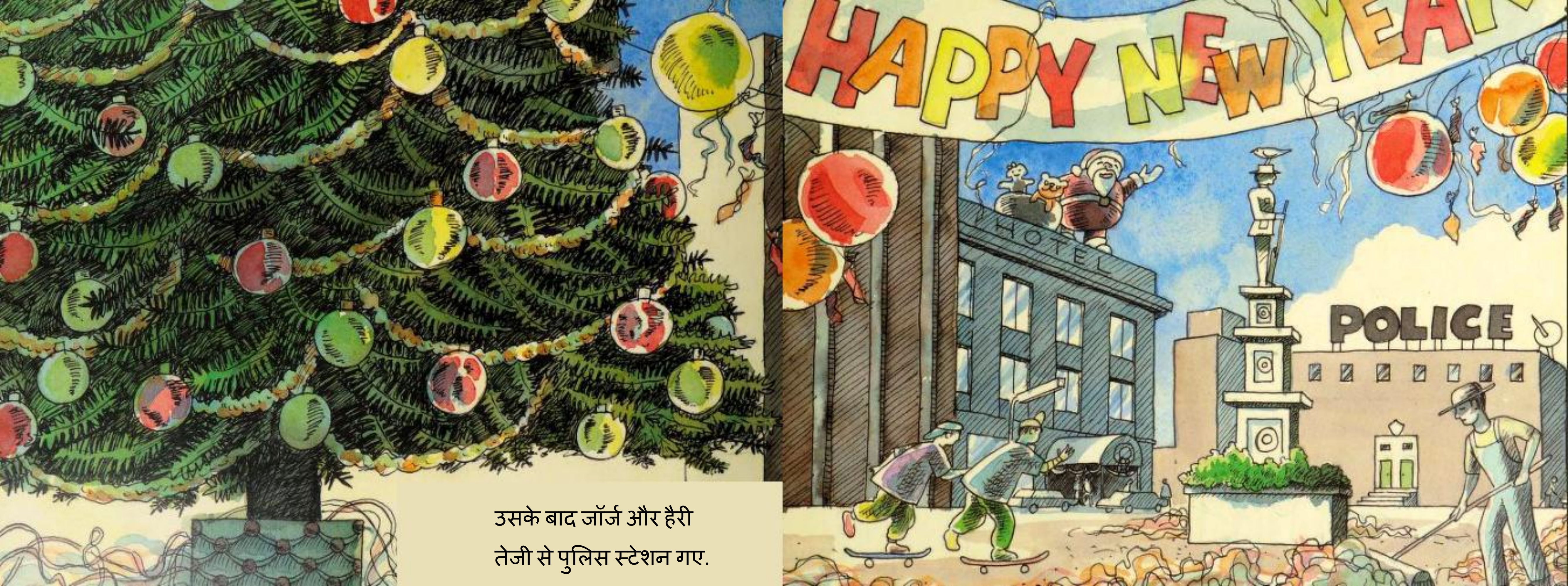
हैरी ने कहा, "उसकी आंख में एक विशेष चमक है. गौरइया जानती है कि हम उसे बचाने की कोशिश कर रहे हैं."



जॉर्ज ने अपने भाई की ओर देखा. "मुसीबत में लोगों को कौन बचाता है?" उसने पूछा.

"कौन है जो बंद दरवाजे को तोड़कर अंदर घुस सकता है?"

"मैं जानता हूँ! मैं जानता हूँ!" हैरी चिल्लाया.



उसके बाद जॉर्ज और हैरी
तेजी से पुलिस स्टेशन गए.

"वीडियो की दुकान!" जॉर्ज ने रोते हुए कहा.
"यह एक आपातकाल स्थिति है! दुकान बंद है और उसके अंदर एक गौरइया मर रही है." पुलिस वाला उठकर खड़ा हुआ.
"क्या वीडियो शॉप में कोई बहुत परेशानी में है?"
लड़कों ने सिर हिलाया और हैरी ने कहा, "वो खिड़की में उड़ रही है और दुकान 13 जनवरी तक नहीं खुलेगी."
"उड़ रही है?" पुलिसवाले ने रुककर पूछा. "क्या तुम किसी पक्षी के बारे में बात कर रहे हो?"
"हाँ, एक गौरइया के बारे में," जॉर्ज ने कहा. "कृपया! क्या आप दुकान के दरवाजे को तोड़ सकते हैं?"
पुलिसवाला फिर बैठ गया. उसने कहा, "कल रात नए साल की पूर्वसंध्या थी. नए साल की पूर्वसंध्या पर काम की वजह से मुझे ज्यादा नींद नहीं आई. अब, तुम दोनों यहाँ से जल्दी दफा हो जाओ, नहीं तो मैं तुम्हें अच्छा सबक सिखाऊंगा."
"लेकिन फिर उस गौरइया का क्या होगा?" जॉर्ज से पूछा.
"वो गौरइया स्वर्ग में ट्वीट कर सकती है," पुलिसवाले ने कहा.

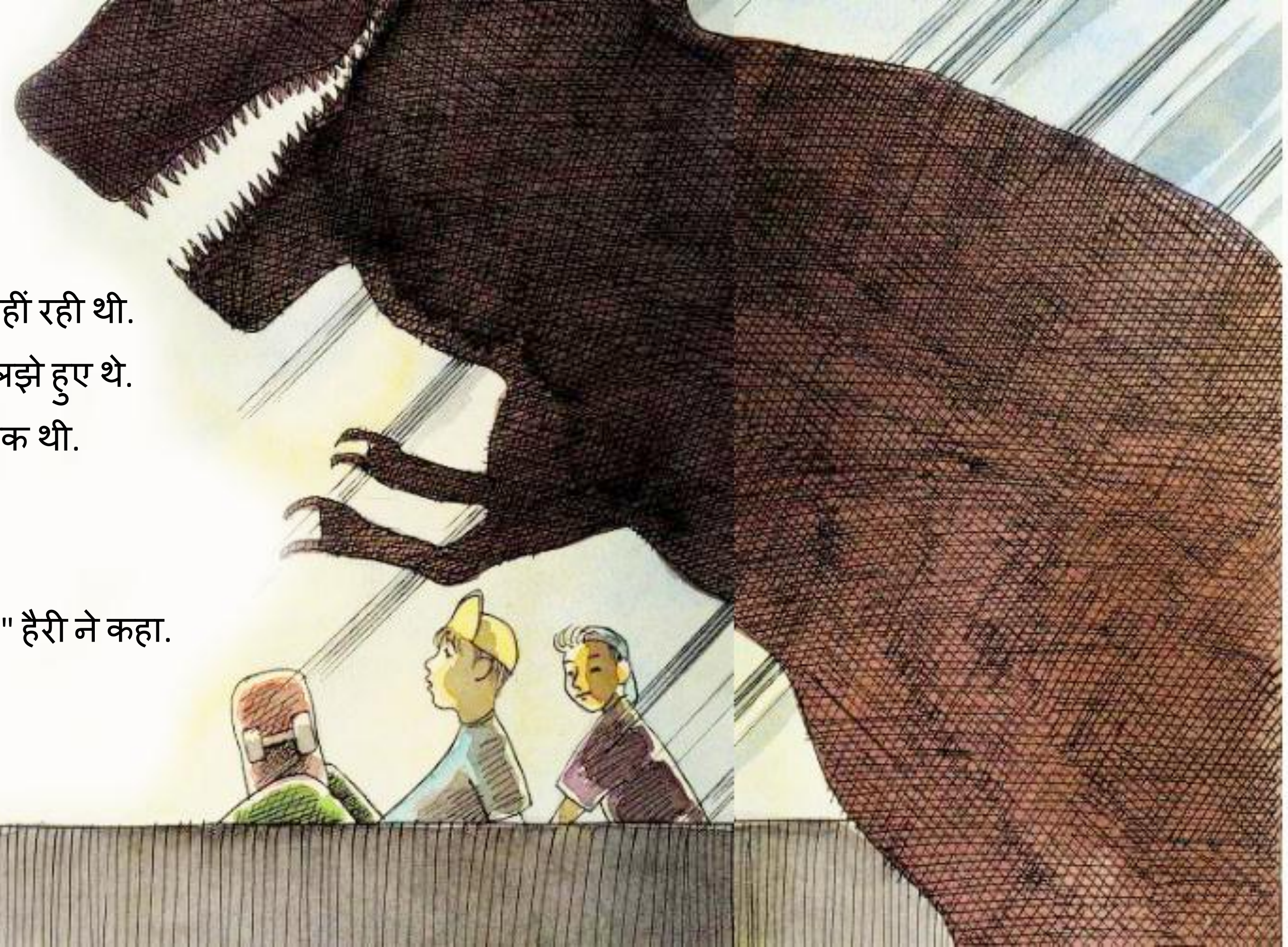




अगले दिन, माँ ने उनसे मृत्यु के बारे में चर्चा की.
"हर कोई एक दिन मरता है," माँ ने कहा. "यही ज़िंदगी की असलियत है. तुम्हारे दादा-दादी की मृत्यु हो गई. बिल्ली की मृत्यु हो गई. तुम गौरइया की इतनी चिंता मत करो. दुनिया में लाखों और गौरइए हैं."
"पर वो अभी तक मरी नहीं है," हैरी ने कॉर्नफ्लेक्स में दूध मिलाते हुए कहा. "वो हमारे बचाव का इंतजार कर रही है."
"तुम बगीचे में गौरइयों को खिलाने के लिए कुछ रोटी क्यों नहीं ले जाते?" पिताजी ने कहा.
"उससे क्या होगा?" जॉर्ज ने पूछा.
पिता मुस्कुराए.
“उससे तुम्हें यह एहसास होगा कि गौरैए चींटियों की तरह होती हैं. उनके एक-दो कम-ज़्यादा होने से किसी को ज्यादा फर्क नहीं पड़ेगा."

वीडियो की दुकान में गौरइया अब उड़ नहीं रही थी.
वो एक शेल्फ पर बैठी थी, उसके पंख उलझे हुए थे.
उसकी आंख में अभी भी एक विशेष चमक थी.
जॉर्ज और हैरी सीढ़ियों पर बैठ गए और
उन्होंने सोचने की कोशिश की.
"मुझे लगता है वो कल तक मर जाएगी," हैरी ने कहा.





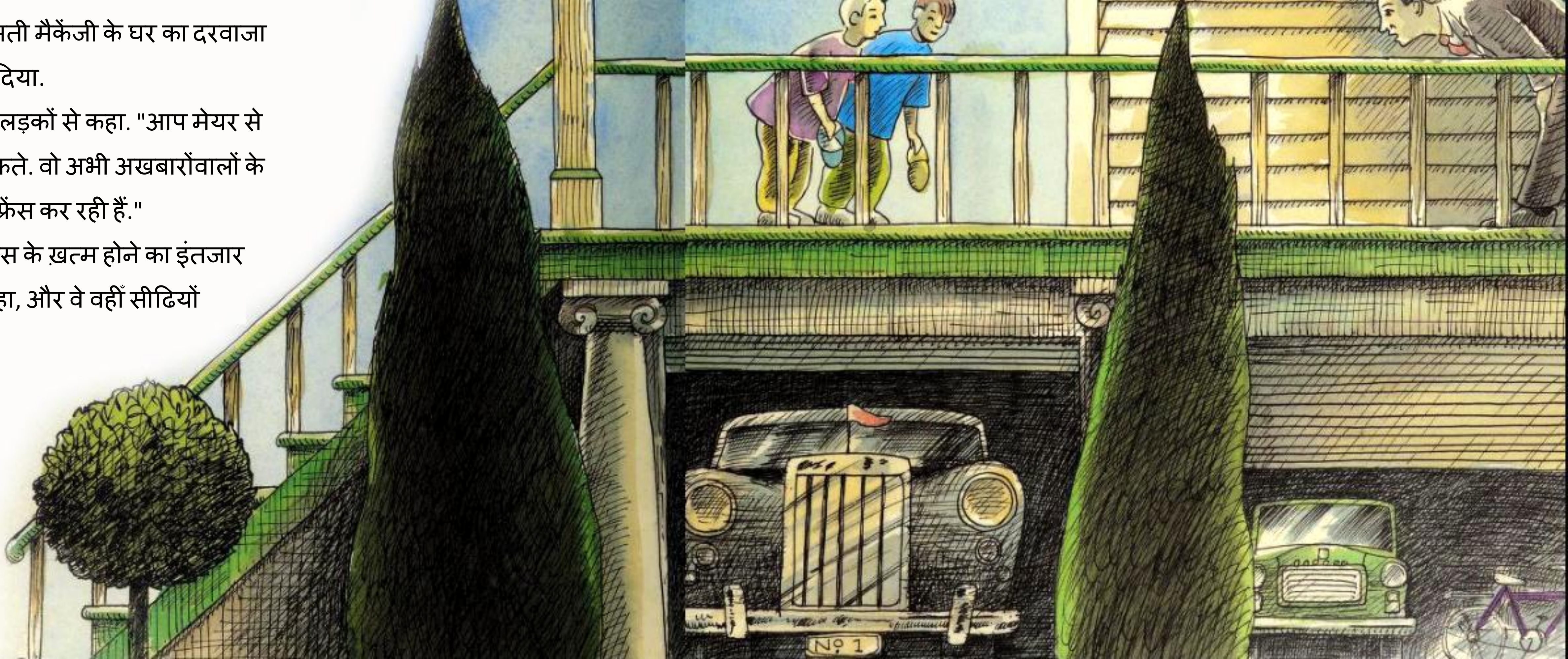
जॉर्ज उस बारे में सोचना नहीं चाहता था.
"पिताजी हमेशा कहते हैं कि अगर तुम किसी
काम को कायदे से करना चाहते हो, तो उसके
लिए तुम्हें सबसे ऊपर तक जाना चाहिए,"
उसने कहा.
"अपने शहर में सबसे ऊपर कौन है?
कौन है शहर का मालिक?
श्रीमती मैकेंजी - महापौर!"



एक आदमी ने श्रीमती मैकेंजी के घर का दरवाजा खोला और जवाब दिया.

"क्षमा करें," उसने लड़कों से कहा. "आप मेयर से अभी नहीं मिल सकते. वो अभी अखबारोंवालों के साथ एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रही हैं."

"हम उनकी कॉन्फ्रेंस के ख़त्म होने का इंतजार करेंगे," जॉर्ज ने कहा, और वे वहीँ सीढियों पर बैठ गए.



श्रीमती मैकेंजी ने उन्हें देखा होगा क्योंकि वो तुरंत बाहर आईं और लड़कों से उनके आने का कारण पूछा.

जॉर्ज ने उन्हें गौरइया के बारे में बताया.

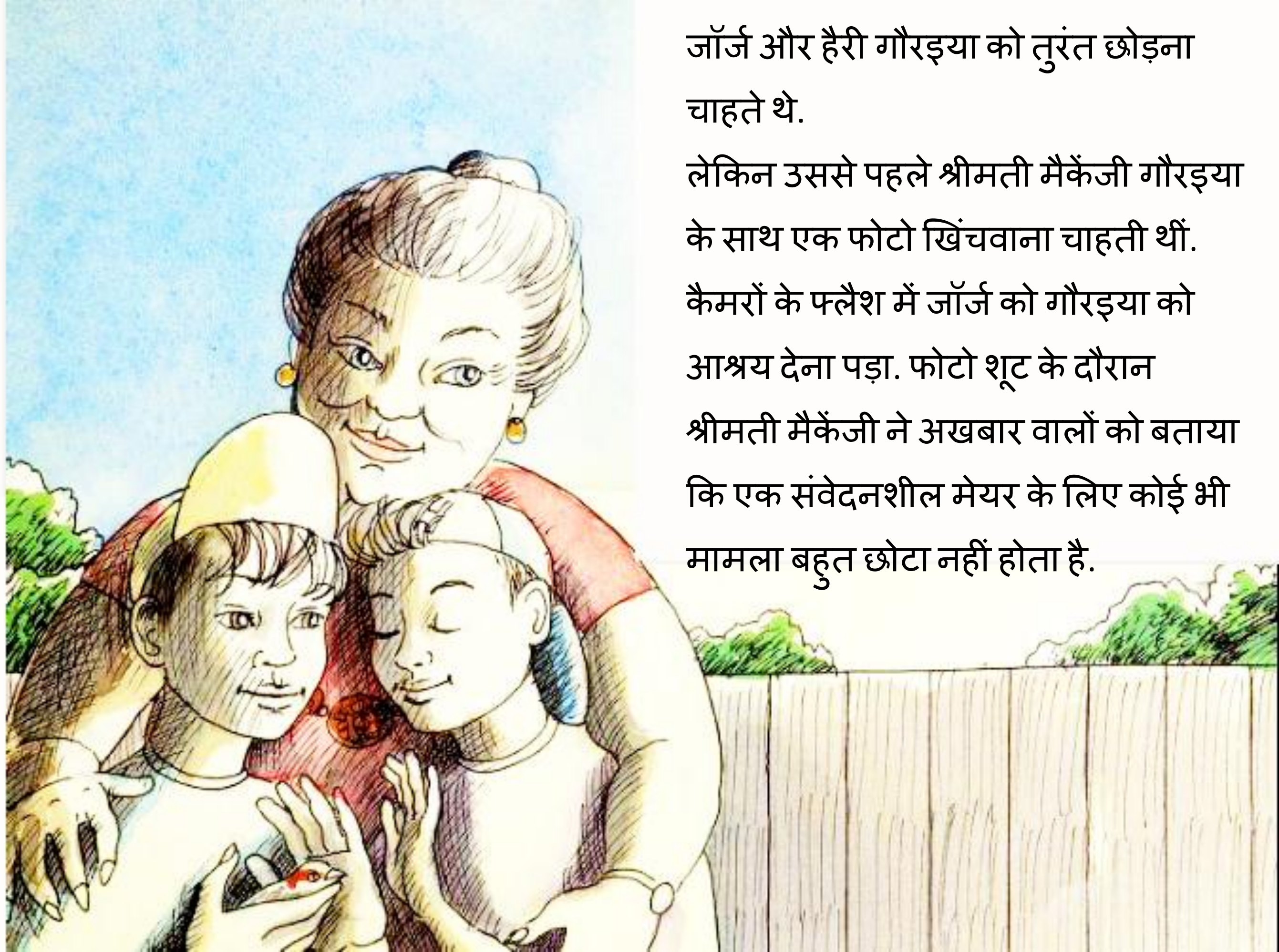
श्रीमती मैकेंजी ने सभी अखबार वालों की ओर देखा. फिर उन्होंने बड़ी गर्म मुस्कुराहट के साथ कहा.

"सड़क टैक्स के बारे में भूल जाओ," उन्होंने कहा. “सीवर प्रणाली की समस्याओं के बारे में भूल जाओ. क्या आप लोग कोई रोचक कहानी चाहते हैं? तो देवियों और सज्जनों आप मेरे साथ चलें और मैं आपको एक उम्दा कहानी दूंगी!"





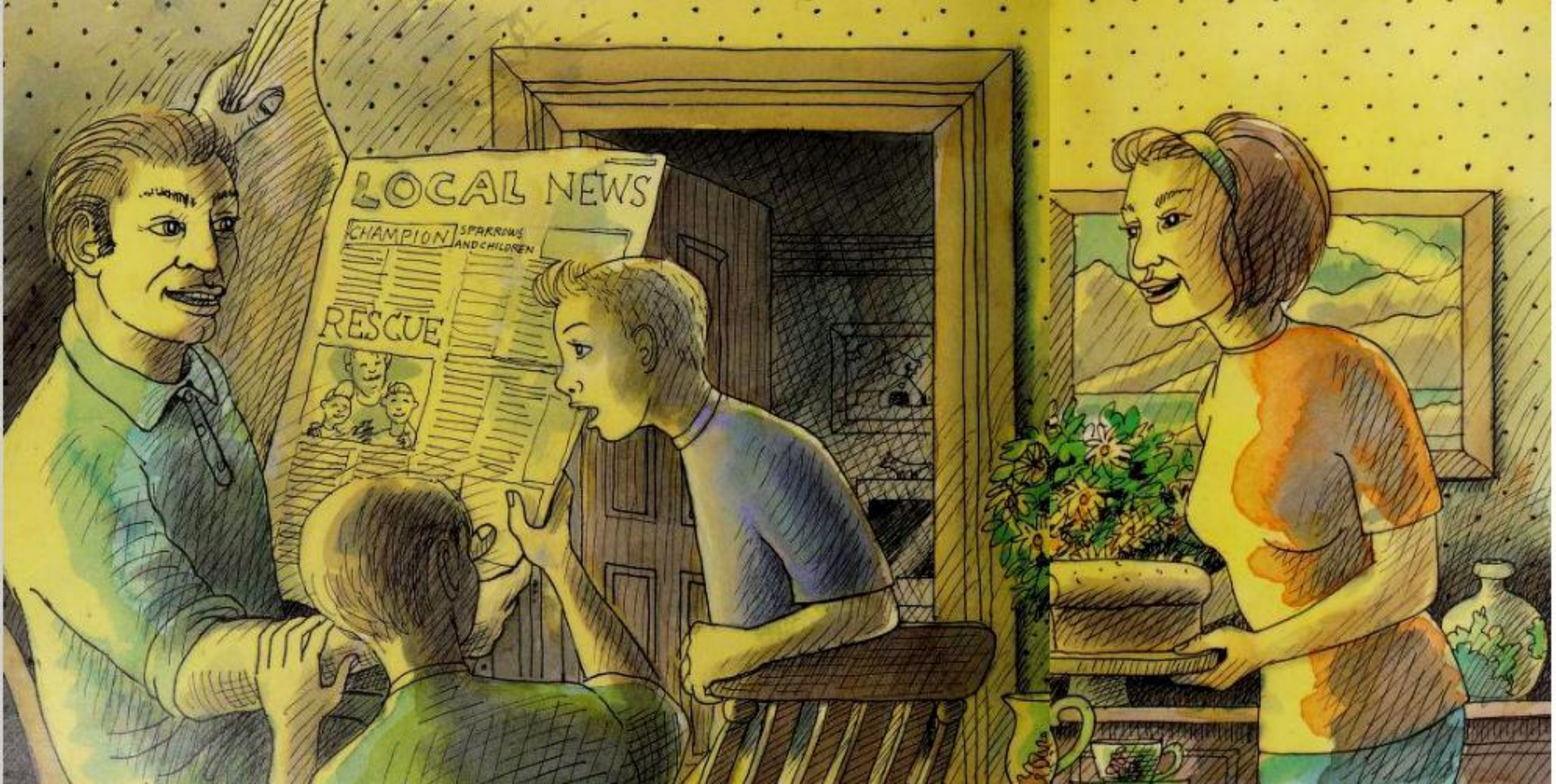
श्रीमती मैकेंजी शहर में हर किसी को जानती थीं.
वो उस सुरक्षा गार्ड को भी जानती थीं, जिसके पास चाबियों के कई गुच्छे थे.
फिर वे सभी लोग वीडियो की दुकान के पीछे गए और गार्ड ने दरवाजा खोला.
हैरी और जॉर्ज अंदर भागे. वे सीधे सामने की खिड़की पर गए.
गौरइया फर्श पर पड़ी थी. पर वो अभी भी जीवित थी.
जॉर्ज ने उसे अपने दोनों हाथों में उठाया. वह उंगलियों से चिड़िया
के दिल की धड़कन को महसूस कर सकता था.



जॉर्ज और हैरी गौरइया को तुरंत छोड़ना
चाहते थे.
लेकिन उससे पहले श्रीमती मैकेंजी गौरइया
के साथ एक फोटो खिंचवाना चाहती थीं.
कैमरों के फ्लैश में जॉर्ज को गौरइया को
आश्रय देना पड़ा. फोटो शूट के दौरान
श्रीमती मैकेंजी ने अखबार वालों को बताया
कि एक संवेदनशील मेयर के लिए कोई भी
मामला बहुत छोटा नहीं होता है.

उसके बाद जॉर्ज ने अपने हाथ की मुट्ठी खोली.
थोड़ी देर के लिए गौरइया उसकी हथेली पर बैठी रही, उसका दिल एक छोटी घड़ी की तरह टिक-टिक करता रहा.
फिर जॉर्ज ने उसे धीरे से सहलाया.
गौरइया ने अपनी आँखें खोलीं, अपने पंखों को थोड़ा हिलाया और उसे विशेष भरोसेमंद निगाह से देखा.
फिर गौरइया ने अपने पंख फैलाए,फड़फड़ाए और वो हवा में उड़ गई.
जॉर्ज ने सोचा कि कहीं वो गिर न पड़े, लेकिन गौरइया बाड़ के ऊपर उड़ी और एक पल में आँखों से ओझल हो गई.





लड़कों की माँ ने अपना सिर हिलाया.

"मुझे नहीं पता था कि तुम दोनों आगे क्या करोगे."

पिताजी ने लड़कों को श्रीमती मैकेंजी और गौरइया के साथ अखबार में छपी उनकी तस्वीर दिखाई.

"वह एक बहुत अच्छी महिला हैं," जॉर्ज ने कहा.

"और बहुत होशियार भी," पिताजी ने कहा.

अख़बार के फोटो के ऊपर यह शब्द थे, :

"बच्चों और गौरइयों की मसीहा!"



उस दोपहर, जॉर्ज और हैरी ने बगीचे में गौरइयों को रोटी खिलाई.
उन्होंने सोचा कि शायद उनकी गौरइया भी उनमें से एक हो, लेकिन यह बता पाना मुश्किल था, क्योंकि अब उन्हें जो भी गौरइया दिखती थी, उन सभी की आँखों में उन्हें भरोसे की एक ख़ास चमक नज़र आती थी.

समाप्त